**भारत सरकार**

**रक्षा मंत्रालय  
रक्षा विभाग**

**राज्य सभा  
अतारांकित प्रश्न संख्या 3373**

**26 मार्च, 2018 को उत्तर के लिए**

**प्रशिक्षण के दौरान विकलांग हुए सेना के जवान**

**3373. श्रीमती सम्पतिया उइके :**

क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सेना में जवान युद्ध से अधिक प्रशिक्षण के दौरान विकलांग हो रहे हैं ;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं ; और

(ग) ऐसी आकस्मिक घटनाओं को कम करने के लिए सरकार क्या कदम उठा रही है ?

**उत्तर  
रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (डॉ. सुभाष भामरे)**

(क): जी, नहीं ।

(ख): वर्ष 2015 से 2017 तक 908 प्रशिक्षु अफसर/सैनिक प्रशिक्षण के दौरान निःशक्त/ बाहर किए गए थे । प्रशिक्षण में शारीरिक प्रशिक्षण व्ययाम, खेलकूलद और घुड़सवारी प्रशिक्षण सहित कई प्रकार के आउटडोर प्रशिक्षण शामिल है जो कठिन और शरीर के लिए आवश्यक है । कभी-कभी कुछ कैडेटों में भी कठोर प्रशिक्षण के दौरान कुछ वंशानुगत जन्मजात रोगों का निदान किया जाता है और उन्हें अयोग्य करार दिया जा सकता है ।

(ग): प्रशिक्षुओं को चोट लगने से रोकने/उसमें कमी करने के लिए प्रशिक्षण संस्थाओं में निम्नलिखित उपाय विद्यमान हैं :

(i) **शारीरिक उपाय**

(कक) प्रशिक्षुओं के शरीर को प्रशिक्षण कार्यक्रम के अनुरूप ढ़ालने हेतु एक वैज्ञानिक तरीके से शारीरिक प्रशिक्षण का आयोजन ।

(कख) ज्यादा शारीरिक जोखिम वाली सभी गतिविधियों को करने से पूर्व सभी प्रशिक्षुओं को निवारात्मक और संरक्षात्मक उपायों के संबंध में विस्तृत और नियमित ब्रीफिंग दी जाती है ।

(कग) ज्यादा शारीरिक जोखिम वाले अभ्यासों में भाग लेने के दौरान अनुदेशक विद्यार्थी अनुपात को बढ़ाया जाता है ताकि सघन पर्यवेक्षण किया जा सके ।

(कघ) शारीरिक रूप से थकाने वाली गतिविधियों/अभ्यासों से पूर्व प्रत्येक प्रशिक्षु की सभी आवश्यक पैरामीटरों पर चिकित्सा जांच की जाती है ।

(कड.) अधिक जोखिम वाली सभी गतिविधियों को सघन चिकित्सा पर्यवेक्षण के अंतर्गत पूरा किया जाता है ।

(कच) हताहतों को बाहर निकालने के लिए सुनियोजित और व्यवस्थित प्रक्रियाएं सुनिश्चित की जाती है ताकि घायल कार्मिकों का समयोचित और उपयुक्त उपचार सुनिश्चित किया जा सके ।

(कछ) ज्यादा जोखिम वाली प्रशिक्षण गतिविधियों को वास्तविक रूप से करने से पहले सिम्यूलेटर/मॉक अप का प्रयोग करना जो चोटों के जोखिम को कम करने के साथ प्रशिक्षण गुणवत्ता को बढ़ा देता है ।

(कज) खेल संबंधी चोटों की रोकथाम और संचालन में विशेषज्ञता के साथ स्पोर्ट मेडिसन में संकाय को निष्पक्षतापूर्वक तरजीह दी जाती है ।

(कझ) यदि कोई प्रशिक्षु अपेक्षित शारीरिक प्रशिक्षण मानदंडों को पूरा करने में सक्षम नहीं है तो उसे अतिरिक्त समय दिया जाता है और एक वैकल्पिक व्यवस्था में रखा जाता है जो प्रशिक्षु के लिए समग्र प्रशिक्षण अवधि को बढ़ा देती है और यह सुनिश्चित करती है कि प्रशिक्षण मानदंडों से समझौता किए बगैर चोटों में कमी आए ।

(ii) **स्वास्थ्य संबंधी उपाय**

समग्र प्रशिक्षण माहौल के लिए सभी प्रशिक्षण स्थापनाओं में अच्छा आवास, मनोरंजन सुविधाएं, भोजन और अन्य सहायक सुविधाएं मुहैया कराई जाती है ।

(iii) **मनोवैज्ञानिक उपाय**

(कक) निवारक उपायों पर नियमित ब्रीफिंग ।

(कख) एकाग्रता बढ़ाने हेतु ध्यान/योगा ।

\*\*\*\*